

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की तीरंदाजी टीम ने 45वीं दिल्ली राज्य तीरंदाजी चैंपियनशिप 2024-25 में रनिंग ट्रॉफी हासिल की, "राज्य चैंपियन" का ताज पहना

जामिया मिल्लिया इस्लामिया को यह घोषणा करते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि उसकी तीरंदाजी टीम ने वर्ष 2024-25 के लिए 45वीं दिल्ली राज्य तीरंदाजी चैंपियनशिप में रनिंग ट्रॉफी हासिल करके "राज्य चैंपियन" का ताज पहना है। यह प्रतिष्ठित चैंपियनशिप दिल्ली तीरंदाजी संघ द्वारा 19 से 23 फरवरी, 2025 तक आयोजित की गई थी।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया तीरंदाजी (पुरुष) टीम ने जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक और सीनियर वर्ग में रजत पदक हासिल करके उल्लेखनीय सफलता हासिल की है और साथ ही कई व्यक्तिगत पुरस्कार भी जीते। कुल मिलाकर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया तीरंदाजी टीम के खिलाड़ियों ने 12 पदक जीते हैं।

1. जामिया मिल्लिया इस्लामिया के पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन विभाग के बीटीटीएम सेमेस्टर-1 के छात्र अभिषेक कुमार ने 03 स्वर्ण और 03 रजत पदक जीते।
2. जामिया के सामाजिक कार्य विभाग के बीए (ऑनर्स) सामाजिक कार्य सेमेस्टर-1 के छात्र जुबैर खान ने 01 स्वर्ण और 02 रजत पदक जीते।
3. जामिया के सामाजिक कार्य विभाग के बीए (ऑनर्स) सामाजिक कार्य सेमेस्टर-1 के छात्र अमन गुप्ता ने 01 स्वर्ण, 01 रजत और 01 कांस्य पदक जीते।

जामिया के सम्मानित कुलपति प्रो. मजहर आसिफ ने खिलाड़ियों को बधाई दी और इन महत्वपूर्ण उपलब्धियों को हासिल करने में उनके समर्पण की सराहना की। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि तीरंदाजी रेंज और आवश्यक उपकरणों की जरूरतों को पूरा किया जाएगा।

जामिया के कुलसचिव प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिजवी ने तीरंदाजी टीम के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और उनके आगामी टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रो. नफीस अहमद, मानद निदेशक (गेम्स एंड स्पोर्ट्स) ने भी विश्वविद्यालय के लिए यह सम्मान हासिल करने के लिए खिलाड़ियों का आभार व्यक्त किया। इसके अतिरिक्त जामिया मिल्लिया इस्लामिया के गेम्स एंड स्पोर्ट्स के मानद उप निदेशक डॉ. मोहम्मद आबिद और जामिया मिल्लिया इस्लामिया में तीरंदाजी क्लब के अध्यक्ष डॉ. अरुणेश कुमार सिंह ने छात्रों को बधाई दी और आगामी खेल आयोजनों के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के गेम्स एंड स्पोर्ट्स कार्यालय ने एह विश्वास व्यक्त किया है कि तीरंदाजी टीम अपने समर्पण और ईमानदार प्रयासों के माध्यम से भविष्य में विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को कायम रखेगी।